



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

---

14 श्रावण 1937 (श10)  
(सं0 पटना 902) पटना, बुधवार, 5 अगस्त 2015

---

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

24 जुलाई 2015

सं० 22/नि0सि0(मुज0)-06-03/2012/1665—श्री बिरेन्द्र कुमार सिन्हा (1760), तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल संख्या-2, पटना के पद पर पदस्थापित थे तो उनके विरुद्ध कमला कन्सल्टेशन कम्पनी एवं कमलादित्य कन्सल्टेशन कम्पनी को मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग के बाल्मीकिनगर परियोजनान्तर्गत नेपाल हितकारी योजना के तहत नहर पुनर्स्थापन कार्यों के आवंटन में बरती गई अनियमितता की जाँच उड़नदस्ता अंचल, पटना से कराई गई। उड़नदस्ता द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा विभाग के स्तर पर की गई। समीक्षोपरान्त विभागीय पत्रांक 1316 दिनांक 24.10.2013 द्वारा निम्न बिन्दु पर स्पष्टीकरण पूछा गया।

(i) अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव, पथ निर्माण विभाग के पत्रांक 3376 दिनांक 17.08.2010 के कंडिका (4) के द्वारा Serious Unbalanced Rate के लिए Additional Performance Guarantee की माँग निविदाकार से लिये जाने का प्रावधान है। मुख्य अभियंता, बाल्मीकिनगर परिक्षेत्राधीन नेपाल हितकारी योजना 2009 के अन्तर्गत मुख्य पश्चिमी नहर से संबंधित पुनर्स्थापन कार्य हेतु निविदा आमंत्रण की सूचना में Additional Performance Guarantee से संबंधित तथ्य का उल्लेख नहीं रहने के कारण आपसे अपेक्षित था कि आप अपने स्तर से उक्त तथ्य का अनुपालन करते हुए संशोधित निविदा सूचना आमंत्रित करने हेतु संबंधित कार्यपालक अभियंता को निदेशित करते, जिसका अनुपालन आपके स्तर से नहीं किया गया। फलस्वरूप सरकार को भारी राजस्व की क्षति हुई। जिसके लिए आप प्रथम दृष्टया दोषी पाये गये हैं।

उक्त के आलोक में श्री सिन्हा ने अपने पत्रांक 476 दिनांक 05.07.2014 के द्वारा विभाग में स्पष्टीकरण समर्पित किया, जिसमें मुख्यतः निम्न बातें कही गयी हैं—

(i) उड़नदस्ता के जाँच प्रतिवेदन के निष्कर्ष में उद्धृत किया है कि वर्णित परिस्थिति में परिमाण विपत्र की दर से प्रतिशत कम दर उद्धृत करने की स्थिति में Additional Performance Guarantee का मामला नहीं बनता है।

(ii) नेपाल हितकारी योजना 2009 के अन्तर्गत मुख्य पश्चिमी नहर दाँया एफलक्स बाँध, तहियाँ खोला मार्जिनल बाँध एवं दोन शाखा नहर के पुनर्स्थापन के लिए मुख्य अभियंता, बाल्मीकिनगर द्वारा दिनांक 27.08.2010 को

ई-टेण्डरिंग के माध्यम से 161.86 करोड़ की निविदा आमंत्रित की गई। निविदा बिक्री की तिथि 17.09.2010 से 28.09.2010 तथा निविदा प्राप्ति तिथि 29.09.2010 थी।

(iii) अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव, पथ निर्माण विभाग के पत्रांक 3740 दिनांक 08.09.2010 द्वारा S. B. D. के कतिपय प्रावधान के क्लेरिफिकेशन के संबंध में एक पत्र प्रधान सचिव, जल संसाधन विभाग को दिनांक 21.09.2010 को प्राप्त हुआ। मुख्य अभियंता, मोनिरिंग, पटना से दिनांक 23.09.2010 को यह पत्र मोनिरिंग अंचल संख्या-2, पटना को प्राप्त हुआ। जिसे कार्यपालक अभियंता, मोनिरिंग प्रमंडल को अग्रसारित किया गया। इस पत्र के साथ संलग्न पत्रांक 3376 दिनांक 17.08.2010 में संवेदक द्वारा **Serious Unbalanced Rate** उद्धृत करने की स्थिति में उनसे **Additional Performance Guarantee** लिये जाने का निदेश दिया गया है।

(iv) उपरोक्त कार्य के तकनीकी बीड का निष्पादन विभागीय निविदा मूल्यांकन समिति द्वारा दिनांक 03.01.2011 को किया गया। तकनीकी बीड में वैध पाये गये तीन अदद निविदादाताओं का दर अनुसूचित दर से 15% कम एवं समान रहने के कारण दिनांक 20.01.2011 को विभागीय निविदा समिति द्वारा ड्रॉ ऑफ लॉट्स से निविदादाता का चयन करने हेतु मुख्य अभियंता, बाल्मीकिनगर निदेशित किये गये। ड्रॉ ऑफ लॉट्स में सफल कमलादित्य कन्सट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड को अनुसूचित दर से 15% कम दर पर कार्य आवंटित किया गया।

(v) अभियंता प्रमुख, पथ निर्माण विभाग का पत्रांक 3740 दिनांक 08.09.10 एवं 3376 दिनांक 12.08.2010 में इस बात का कहीं उल्लेख नहीं है। अगर पूर्व में कोई निविदा आमंत्रित की गई है या निष्पादन की प्रक्रिया में है तो उल्लेखनीय पत्र के शर्त के साथ पुनर्निविदा आमंत्रित की जाय।

(vi) मुख्य अभियंता, मोनिरिंग या विभाग द्वारा भी पुनर्निविदा के संदर्भ में कोई निर्देश नहीं दिया गया।

कार्यपालक अभियंता, पश्चिमी मुख्य नहर प्रमंडल, बाल्मीकिनगर, अधीक्षण अभियंता, शीर्ष कार्य अंचल, बाल्मीकिनगर तथा मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, बाल्मीकिनगर द्वारा भी पुनर्निविदा के संदर्भ में कोई दिशा निदेश की माँग नहीं की गई। मोनिरिंग अंचल के सहायक अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता द्वारा भी संचिका पर कोई दिशा निर्देश की माँग नहीं की गई।

(vii) मुख्य अभियंता, बाल्मीकिनगर द्वारा निविदा को शर्त की स्वीकृति मोनिरिंग अंचल से नहीं ली गई। मुख्य अभियंता द्वारा दिनांक 27.01.2011 को कार्य आवंटित किया गया लेकिन उन्होंने **Additional Performance Guarantee** लेने का आदेश कार्यपालक अभियंता को नहीं दिया। उनके द्वारा विभाग के संज्ञान में भी इसे नहीं लाया गया।

(viii) **Additional Performance Guarantee** की राशि संवेदक से जमानत के रूप में ली जानेवाली राशि है। यह सरकारी राजस्व नहीं है। कार्य समय पर संतोषप्रद ढंग से समाप्त हो जाने पर यह राशि संवेदक को लौटा दी जाती है।

सिर्फ कार्य के विखंडन के मामले में इस राशि को जप्त की जाती है एवं राजस्व में जमा की जाती है।

श्री सिन्हा से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। समीक्षा में निम्न तथ्य पाये गये।

**Additional Performance Guarantee** लेने से संबंधित पत्र श्री सिन्हा को दिनांक 23.09.2010 को प्राप्त हुआ। विभागीय निविदा मूल्यांकन समिति द्वारा तकनीकी बीड का निष्पादन दिनांक 03.01.2011 को किया गया। तकनीकी बीड में सफल निविदादाताओं का वित्तीय बीड खोलकर मुख्य अभियंता, बाल्मीकिनगर को पत्रांक-28 (आ0) शिविर, पटना दिनांक 13.01.2011 द्वारा वित्तीय बीड की तुलनात्मक विवरणी विभाग में समर्पित किया गया। वित्तीय बीड में निविदीत दर अनुसूचित दर से 15% नीचे एवं समान थे। दर समान रहने के कारण ड्रॉ ऑफ लॉट्स से तत्कालीन मुख्य अभियंता, बाल्मीकिनगर को दिनांक 20.01.2011 को सफल निविदादाता का चयन करने को निदेशित किया गया। निविदीत दर अनुसूचित दर से 15% कम रहने के कारण **Additional Performance Guarantee** लेने का मामला बना। इनसे संदर्भित पत्र श्री सिन्हा को दिनांक 23.09.2010 को ही प्राप्त हो गया था। इनके द्वारा **Additional Performance Guarantee** के बारे में विभाग को संज्ञान में लाकर पुनर्निविदा आमंत्रित करने/**Additional Performance Guarantee** प्राप्त करने का निदेश क्षेत्रीय पदाधिकारियों को दिया जाना चाहिए था, जो श्री सिन्हा ने नहीं किया। अतः इसके लिए श्री सिन्हा दोषी माने गये हैं। **Additional Performance Guarantee** की राशि राजस्व नहीं है। अतएव राजस्व हानि का मामला नहीं बनता है।

अतएव प्रमाणित आरोपों के लिए श्री विरेन्द्र कुमार सिन्हा (1760), तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिरिंग अंचल संख्या-2, पटना को निम्न दण्ड देने का निर्णय सरकार के द्वारा लिया गया है।

“निन्दन वर्ष 2010-11”

उक्त निर्णय श्री विरेन्द्र कुमार सिन्हा (1760), तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल संख्या-2, पटना सम्प्रति अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, औरंगाबाद को संसूचित किया जाता है।  
“निन्दन वर्ष 2010-11”

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
गजानन मिश्र,  
विशेष कार्य पदाधिकारी।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 902-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>